ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 23जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 71

उदयपुर पूछ रहा सवाल- विकास की रफ्तार बुलेट ट्रेन आखिर मेवाड़ से क्यों डी—रेल हुई? गहरी नींद में हैं नेता या फिर उनके बस की बात नहीं!!

दिल्ली-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में उदयपुर को जोड़ने की मांग तेज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। क्या आपको पता है कि हमारी बुलट ट्रेन का बजट आने के बाद अचानक कहीं और डायवर्ट कर दिया गया। हम सपने देखते रह गए और किसी ओर से सपने सच हो गए। उसके बाद भी हमारे महान नेता सोते रहे गए व हमें मुंगेरीलाल के हसीन सपनों की दुनिया में घुमा' घुमा कर हमसे बुलेट ट्रेन छीन ली हैं। ऐसे में पूरे मेवाड़ में एक बड़े सशक्त प्रतिकारात्मक आंदोलन की जरूरत महसूस की जा रही है। मेवाड़ ने कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया तो अपने हक के लिए भी कभी पीछे नहीं हटा है। अब बात ये है कि मेवाड़ की ऐतिहासिक विरासत, विश्व प्रसिद्ध पर्यटन पहचान और आर्थिक क्षमता के बावजूद उदयपुर आधुनिक हाई स्पीड रेल नेटवर्क से जुड़ने का इंतजार कर रहा है। शहर में अब सवाल उठने लगा है कि जिस बुलेट ट्रेन परियोजना से उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, अजमेर और जयपुर जैसे शहरों के विकास को नई रफ्तार मिल सकती थी, वह आखिर प्राथमिकता सूची में पीछे क्यों चली गई। प्रस्तावित दिल्ली-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में राजस्थान के कई प्रमुख शहरों को जोड़ने की योजना थी। करीब 875 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में ट्रेन की गति 320 से 350 किलोमीटर प्रति घंटा तक प्रस्तावित बताई गई थी। इससे दिल्ली से अहमदाबाद का सफर करीब 4 घंटे तक सिमटने की संभावना जताई गई थी। पूर्व में इस परियोजना की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार होने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन हालिया हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणाओं में उदयपुर का नाम सामने नहीं आने के बाद अब क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। लोग पूछने लगे हैं कि क्या उदयपुर या मेवाड के नेता नींद में सोए हुए हैं या फिर उनके भीतर इतना साहस ही नहीं बचा है कि हमारे मुद्दों की दिल्ली में दहाड़ के साथ पैरवी कर सके।

उदयपुर सिर्फ पर्यटन नहीं, आर्थिक विकास का केंद्र

उदयपुर की पहचान अब केवल झीलों और महलों तक सीमित नहीं है। यह शहर विश्व स्तर पर पर्यटन नगरी, हेरिटेज सिटी और डेस्टिनेशन वेडिंग हब के रूप में स्थापित हो चुका है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। वहीं श्रीनाथजी धाम, मेवाड़ की ऐतिहासिक विरासत और आसपास के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के कारण यह पूरा क्षेत्र राष्ट्रीय महत्व रखता है। भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री और मेवाड़ की खनिज क्षमता मेवाड़ क्षेत्र केवल पर्यटन के लिए नहीं बल्कि उद्योग और खनिज संपदा के लिए भी महत्वपूर्ण है। भीलवाड़ा देश के प्रमुख टेक्सटाइल केंद्रों में शामिल है। चित्तौड़गढ़ ऐतिहासिक और औद्योगिक पहचान रखता है। उदयपुर क्षेत्र मार्बल सहित कई खनिज संसाधनों के लिए जाना जाता है। भविष्य में रेयर अर्थ मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में भी संभावनाएं बताई जाती हैं। ऐसे में तेज और आधुनिक परिवहन नेटवर्क उद्योगों को नई दिशा दे सकता है।

जनप्रतिनिधियों से मजबूत पैरवी की जरूरत

क्षेत्र में यह मांग भी उठ रही है कि सांसद, विधायक और राजनीतिक नेतृत्व इस परियोजना को लेकर केंद्र स्तर पर मजबूत पैरवी करें। मेवाड़ की ऐतिहासिक भूमिका, पर्यटन क्षमता, उद्योग और भविष्य की आर्थिक जरूरतों को देखते हुए हाई स्पीड रेल कनेक्टिविटी को क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। अब सवाल यही है कि जिस मेवाड़ ने देश को इतिहास और संस्कृति दी, क्या उसे भविष्य की तेज रफ्तार विकास यात्रा में भी बराबर की जगह मिलेगी?

उदयपुर सिटिजन सोसाइटी ने भी उठाई मांग

उदयपुर सिटिजन सोसाइटी ने इस मुद्दे को लेकर रेल मंत्रालय से मांग की है कि अहमदाबाद-दिल्ली हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में उदयपुर को शामिल करते हुए परियोजना को फिर प्राथमिकता दी जाए। सोसाइटी के अध्यक्ष क्षितिज कुम्भट ने कहा कि पूर्व में इस कॉरिडोर को लेकर डीपीआर तैयार होने की जानकारी दी गई थी। उन्होंने रेल मंत्री को पत्र भेजकर परियोजना के सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन और लंबित प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग की है।

कुम्भट के अनुसार, उदयपुर को बुलेट ट्रेन नेटवर्क से जोड़ना पर्यटन, उद्योग और रोजगार के लिहाज से समय की आवश्यकता है। उनका कहना है कि यदि यह परियोजना आगे बढ़ती है तो मेवाड़ क्षेत्र का आर्थिक विकास तेज हो सकता है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद-उदयपुर-अजमेर-जयपुर-दिल्ली मार्ग पर हाई स्पीड रेल न केवल राजस्थान और गुजरात के बीच आवागमन आसान बनाएगी, बल्कि उदयपुर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनाएगी।

मानसून 12 दिन की देरी से मुंबई पहुंचा, झमाझम बारिश शुरू; इसी हफ्ते एमपी-यूपी में दस्तक की संभावना, दिल्ली में धूलभरी आंधी से दिन में छाया अंधेरा, कई राज्यों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

24 न्यूज अपडेट

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ। देश में मानसून की रफ्तार अब तेज होने लगी है। 12 दिन की देरी के बाद मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून मुंबई पहुंच गया। मानसून के पहुंचते ही मुंबई समेत आसपास के इलाकों में झमाझम बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग के अनुसार आमतौर पर मानसून 11 जून तक मुंबई पहुंच जाता है, लेकिन इस बार देरी से पहुंचा है।

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून अब तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों तक आगे बढ़ चुका है। अगले 2 से 3 दिनों में इसके गुजरात और मध्य प्रदेश पहुंचने की संभावना है, जबकि इसके बाद 3 से 4 दिनों में उत्तर प्रदेश में भी मानसून दस्तक दे सकता है।

इधर, दिल्ली में मंगलवार दोपहर अचानक मौसम बदला और तेज धूलभरी आंधी चली। तेज हवाओं के कारण कुछ देर के लिए दिन में ही अंधेरा छा गया। वहीं मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। छतरपुर में बिजली गिरने से दो लड़कियां झुलस गईं, जिसमें एक की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में भी सोमवार दोपहर बाद बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश के कारण पेड़ और बिली के पोल गिर गए। कई जगह नुकसान की खबर सामने आई है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की चाल के बावजूद उत्तर भारत के कई हिस्सों को अभी इंतजार करना होगा। मध्य प्रदेश, विदर्भ और उत्तर प्रदेश में मानसून पहुंचने में करीब एक सप्ताह लग सकता है, जबकि दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून जुलाई तक पहुंचने की संभावना है।

देश में अब तक बारिश सामान्य से कम रही है। सोमवार तक देश में सामान्य 106 मिमी बारिश के मुकाबले सिर्फ 60.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो करीब 43 प्रतिशत कम है।

आने वाले दिनों में राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। यहां आंधी, तेज हवाओं और हल्की बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

वहीं 24 जून को असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा ओडिशा, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक कई राज्यों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

फायर सेफ्टी को लेकर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

655 प्रतिष्ठानों की जांच पूरी, 337 को नोटिस

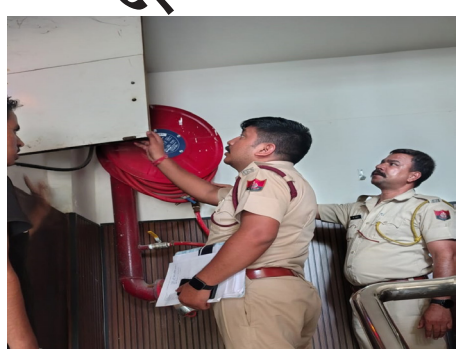

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर निगम उदयपुर ने सख्ती बढ़ा दी है। संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने और शहर के लोगों व पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम की ओर से चलाया जा रहा विशेष फायर सेफ्टी सर्वे अभियान लगातार जारी है। पिछले 15 दिनों से निगम की सात विशेष टीमें शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर व्यावसायिक और सार्वजनिक उपयोग वाले भवनों की जांच कर रही हैं। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत अब तक 655 प्रतिष्ठानों का सर्वे पूरा किया जा चुका है। सर्वे के दौरान 337 प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी से संबंधित कमियां सामने आई हैं, जिन्हें लेकर निगम ने संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। निगम ने स्पष्ट किया है कि नोटिस के बाद भी यदि संस्थान संचालक सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सीज की कार्रवाई की जाएगी।

शहर के सभी क्षेत्रों में पहुंचेगी निगम की टीमें

निगम की टीमों ने शहर कोट अंदर, बलीचा, प्रतापनगर सहित विभिन्न इलाकों में निरीक्षण किया है। आने वाले दिनों में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी यह अभियान जारी रहेगा। निगम का लक्ष्य शहर के सभी व्यावसायिक भवनों, होटल, अस्पताल, कोचिंग संस्थान, मॉल, मैरिज गार्डन, बहुमंजिला इमारतों और सार्वजनिक उपयोग वाले स्थानों का सर्वे करना है।

निरीक्षण के दौरान यह देखा जा रहा है कि भवनों में फायर फाइटिंग सिस्टम सही स्थिति में है या नहीं, फायर एक्सटिंग्विशर की वैधता, हाइड्रेंट सिस्टम, फायर अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और आपदा की स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते निर्धारित मानकों के अनुसार हैं या नहीं।

पर्यटन नगरी होने के कारण विशेष सतर्कता जिला अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि उदयपुर देश-विदेश के पर्यटकों का प्रमुख केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में छोटे-बड़े होटल, रिसॉर्ट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। कई होटल और प्रतिष्ठान पुराने शहर की संकरी गलियों में भी स्थित हैं, जहां आग जैसी आपात स्थिति में चुनौती बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि इसी को ध्यान में रखते हुए निगम आयुक्त के निर्देश पर अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर शहर के सभी व्यावसायिक भवनों का सर्वे करने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में टीमों द्वारा फायर सेफ्टी के सभी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

लापरवाही मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फायर सेफ्टी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन भवनों में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं पाई जाएगी, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

30 दिन का समय

मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि जिन संस्थानों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें 30 दिन के भीतर नगर निगम में अपना पक्ष प्रस्तुत करना होगा। साथ ही फायर सेफ्टी में पाई गई कमियों को तय समय में सुधारना होगा। यदि कोई संस्थान नोटिस की पालना नहीं करता है तो निगम आयुक्त के निर्देश पर सीज करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

7 टीमें कर रही निगरानी

इस पूरे अभियान की जिम्मेदारी जिला अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी के नेतृत्व में गठित सात टीमों को दी गई है। अभियान में अग्निशमन अधिकारी शिवराम मीणा, सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह बरगा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान भविष्य में भी फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी, ताकि उदयपुर को सुरक्षित शहर बनाया जा सके।

सीईटी सीनियर सेकेंडरी लेवल परीक्षा के लिए 23 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन, अक्टूबर में होगी परीक्षा; निगेटिव मार्किंग से बढ़ेगी चुनौती

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं के लिए बड़ा अपडेट जारी किया है। बोर्ड की ओर से समान पात्रता परीक्षा (CET) सीनियर सेकेंडरी लेवल-2026 की आवेदन प्रक्रिया 24 जून 2026 से शुरू की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 23 जुलाई 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। राजस्थान में सरकारी भर्तियों के लिए CET को महत्वपूर्ण पात्रता परीक्षा माना जाता है। इस परीक्षा में प्राप्त स्कोर के आधार पर अभ्यर्थी राज्य सरकार की कई भर्तियों में शामिल होने के योग्य होंगे। आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही प्रदेशभर में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अक्टूबर में होगी CET

सीनियर सेकेंडरी लेवल परीक्षा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड पहले ही CET-2026 की परीक्षा तिथि घोषित कर चुका है। सीनियर सेकेंडरी लेवल CET का आयोजन 23, 24 और 25 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। वहीं ग्रेजुएशन लेवल CET परीक्षा 1 से 3 दिसंबर 2026 के बीच आयोजित होगी।

निगेटिव मार्किंग से बढ़ेगी परीक्षा की कठिनाई

इस बार CET परीक्षा में अभ्यर्थियों के लिए चुनौती बढ़ सकती है। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने संकेत दिए हैं कि परीक्षा में निगेटिव मार्किंग लागू की जाएगी। बोर्ड का उद्देश्य परीक्षा के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों में से सीमित अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए पात्र घोषित करना है। अनुमान है कि करीब 3 से 4 लाख अभ्यर्थी ही अगले चरण की प्रक्रिया में पहुंच पाएंगे।

CET स्कोर कार्ड अब तीन साल तक रहेगा मान्य

राज्य सरकार ने अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए CET स्कोर कार्ड की वैधता अवधि बढ़ा दी है। पहले जहां स्कोर कार्ड एक साल तक मान्य रहता था, वहीं अब इसकी वैधता तीन साल कर दी गई है। इससे युवाओं को बार-बार परीक्षा देने की परेशानी से राहत मिलेगी। हालांकि, जो अभ्यर्थी अपने स्कोर में सुधार करना चाहते हैं, वे हर साल आयोजित होने वाली CET परीक्षा में शामिल होकर नया स्कोर प्राप्त कर सकेंगे। सरकार के इस फैसले से 20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को लाभ मिलने की संभावना है।

इन सरकारी भर्तियों में CET होगी जरूरी

CET सीनियर सेकेंडरी लेवल के माध्यम से राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में होने वाली भर्तियों के लिए पात्रता तय होगी। इनमें वनपाल, छात्रावास अधीक्षक, जमादार ग्रेड-द्वितीय, पुलिस कॉन्स्टेबल, लिपिक ग्रेड-द्वितीय, कनिष्ठ सहायक सहित कई पद शामिल हैं।

संपादकीय : लापरवाही की आग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक व्यावसायिक इमारत में आग लग जाने से विद्यार्थियों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देश भर में आए दिन इस तरह के हादसे हो रहे हैं, लेकिन न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन मालिकों की ओर से व्यवस्था को सुधारने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने को लेकर कोई गंभीरता नजर आती है। हालांकि, कोई हादसा किसी मामूली कोताही का नतीजा हो सकता है, लेकिन उससे सबक लेकर अगर भविष्य में सावधानी बरतने और बचाव के जरूरी इंतजाम नहीं किए जाते हैं, तो यह आपराधिक लापरवाही को दर्शाता है। सवाल है कि हादसे के तत्काल बाद सरकार की ओर से जो गंभीरता दिखाई जाती है, वह व्यावसायिक इमारतों में सुरक्षा प्रबंधों को पुख्ता करने के मामले में नजर क्यों नहीं आती है ? जांच का दायरा और उसके नतीजों का प्रभाव सिर्फ संबंधित हादसे तक ही सीमित क्यों रह जाता है ? खबरों के मुताबिक, जिस व्यावसायिक इमारत में आग लगी, वहां विद्यार्थियों के लिए कोचिंग सेंटर और कैफे संचालित किए जाते थे। यह रिहायशी इलाका है, जहां ज्यादातर आर्थिक रूप से संपन्न लोग रहते हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि इमारत से बाहर निकालने का रास्ता भी अवरुद्ध हो गया और कुछ लोग अंदर ही फंसे रह गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दमकल कर्मियों को दीवार में छेद कर दूसरी इमारत की छत के रास्ते मृतकों के शवों और घायलों को बाहर निकालना पड़ा। ऐसे में सवाल है कि जब इस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, क्या वहां आपात स्थिति में सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त नहीं किए गए थे? लोगों के बाहर निकलने के लिए क्या वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था मौजूद नहीं थी। जाहिर है कि इन सभी सवालों के जवाब गहन जांच के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन यह देखना होगा कि क्या इस हादसे के सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा या नहीं। गौरतलब है कि हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में आग की ऐसी ही एक घटना में इक्कीस लोगों की जान चली गई थी। पिछले वर्ष जुलाई में दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर के तहखाने में जलभराव के कारण तीन युवाओं की मौत हो गई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि देश भर में व्यावसायिक इमारतों में सुरक्षा मानकों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पिछले दिनों आग की कई घटनाओं में जांच के बाद यह बात सामने आई है कि संबंधित भवन मालिकों के पास अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र ही नहीं था। इससे यही साबित होता है कि ऐसे हादसों के लिए न केवल भवन मालिक, बल्कि सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारी भी जिम्मेदार हैं। जिन व्यावसायिक इमारतों में हर समय खासी संख्या में लोग मौजूद रहते हैं, वहां आग लगने या अन्य किसी आपात स्थिति में बचने के लिए सुरक्षा इंतजामों की जांच और निगरानी करने की जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की नहीं, तो और किसकी है। जरूरत इस बात की है कि नियमों की अनदेखी करने या उन्हें ताक पर रख कर गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जावबदेही तय की जाए।

अपराध के पांव

देश में मामूली कहासुनी और छोटी-छोटी बातों पर हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। कई बार विवाद इतना बढ़ जाता है कि हत्या की वारदात को अंजाम देने से भी गुरेज नहीं किया जाता। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर एक यात्री की ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुए विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। हैरत इस बात की है कि वहां मौजूद अन्य लोग बीच-बचाव करने के बजाय मूक दर्शक बने रहे। न केवल लोगों में पनप रही आपराधिक मानसिकता, बल्कि समाज में मौन रहकर अपराध को होते हुए देखने की बढ़ती प्रवृत्ति भी गंभीर चिंता का विषय है। इस घटना से सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर रेलवे स्टेशन पर ही सरेआम किसी की हत्या कर दी जाती है, तो सड़कों पर सुरक्षा की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सरकार और रेलवे प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। गौरतलब है कि शाहदरा रेलवे स्टेशन पर बीते शनिवार को एक यात्री का कुछ लोगों से उस वक्त विवाद हो गया, जब वह ट्रेन में चढ़ रहा था। कहा-सुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने उस व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसे संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि रेलवे स्टेशन पर लोगों की भीड़ होने के बावजूद कोई भी उस व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आया और आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। इस घटना के बाद रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है । इस वारदात के दौरान स्टेशन पर क्या कोई सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था, यह भी जांच का विषय है। इसमें दोराय नहीं कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की खासी भीड़ होती है और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वहां सुरक्षाकर्मी तैनात होते हैं। मगर सवाल है कि शाहदरा स्टेशन पर हत्या की वारदात के दौरान अगर वहां कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? अगर सुरक्षा प्रबंधों में ही लापरवाही बरती जाएगी, तो अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा।

युवक से परेशान पति-पत्नी ने खाया जहर, पत्नी की हालत गंभीर, सोशल मीडिया पर धमकी और ब्लैकमेल का आरोप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बाघपुरा थाना क्षेत्र में एक युवक से परेशान होकर पति-पत्नी द्वारा जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। दोनों को गंभीर हालत में उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां पत्नी की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम ने बताया कि घटना रविवार देर रात करीब 11 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस एमबी हॉस्पिटल पहुंची और पति-पत्नी के बयान दर्ज किए। पत्नी ने पुलिस को बताया कि एक युवक शादी से पहले से ही उसे परेशान कर रहा था। वह सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी देता था और मिलने का दबाव बनाता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके पति को भी पहले घेरकर मारने का प्रयास किया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार देर रात आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

पिता का आरोप- पहले भी दी थी शिकायत, नहीं हुई कार्रवाई

युवती के पिता ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आरोपी लंबे समय से उसकी बेटी को परेशान कर रहा था। पिता के अनुसार आरोपी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था और लाखों रुपए भी ऐंठ लिए थे। उन्होंने बताया कि फरवरी 2026 में उन्होंने अपनी बेटी की शादी बाघपुरा में कर दी थी। इसके बाद भी आरोपी ने सोशल मीडिया पर धमकियां देना शुरू कर दिया। पिता का आरोप है कि कुछ समय पहले आरोपी सहित चार लोगों ने उनके दामाद को घेरकर मारने का प्रयास किया था, जिसकी शिकायत अंबामाता थाने में दी गई थी। पिता ने बताया कि एक महीने पहले जब वह उज्जैन गए थे, तब उनकी बेटी उनके रेस्टोरेंट पर बैठी थी। उस दौरान आरोपी ने चाकू दिखाकर धमकी दी और कहा कि उसके पिता को जान से मारना है। इस मामले की शिकायत भी पुलिस को दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि अगर समय रहते सख्त कार्रवाई होती तो उनकी बेटी को यह कदम नहीं उठाना पड़ता। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपी से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां-बेटी की मौत से हड़कंप, खदान में मिले दोनों के शव, आखिर हादसा या कोई और वजह? पुलिस जांच में जुटी।

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के कुराबड़ थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है जहां रोड़दा गांव स्थित एक खदान में मां-बेटी के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान सलूम्बर जिले के जावद गांव के मनेला निवासी 40 वर्षीय लोगरी पत्नी भूरा और उसकी 12 वर्षीय बेटी कंकु के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कुराबड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को खदान से बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को कुराबड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया गया। शुरुआती जांच में पुलिस को मामला आत्महत्या से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। लेकिन पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। पुलिस के सामने एक और संभावना भी सामने आई है कहीं ऐसा तो नहीं कि बेटी पानी में गिर गई हो और उसे बचाने के प्रयास में मां भी खदान में उतर गई हो और दोनों की डूबने से मौत हो गई हो। वहीं घटना के बाद मृतका के गांव में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों का कहना है कि मां-बेटी की मौत खदान में डूबने से हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों की रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

थाई स्पा की आड़ में देह व्यापार का खुलासा, होटल में छापे के दौरान तीन गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. शहर के एक होटल में संचालित थाई स्पा सेंटर पर पुलिस की कार्रवाई में कथित देह व्यापार के संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सोमवार देर रात की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि मौके से चार विदेशी महिलाओं को बरामद किया। पुलिस ने नकदी, हिसाब-किताब से संबंधित डायरी और अन्य सामग्री भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि पैराडाइज होटल की पहली मंजिल पर संचालित ब्ल्यू हेवन थाई स्पा में मसाज सेवा की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक कांस्टेबल को बोगस ग्राहक बनाकर स्पा सेंटर भेजा। उसके साथ एक महिला को स्वतंत्र गवाह के रूप में शामिल किया गया। प्रारंभिक पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम ने देर रात स्पा सेंटर पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस को काउंटर पर एक व्यक्ति मिला, जबकि अंदर के कमरों की तलाशी में एक विदेशी महिला ग्राहक के साथ मिली। इसके बाद स्टाफ रूम और अन्य हिस्सों की जांच में तीन और विदेशी महिलाएं बरामद हुईं। पुलिस ने बताया कि महिलाओं में थाईलैंड, लाओस और युगांडा की नागरिक शामिल हैं। जांच में सामने आया कि ग्राहकों से बातचीत और रकम तय करने का काम स्पा सेंटर के संचालकों और प्रबंधन से जुड़े लोग करते थे। भुगतान नकद के अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी लिया जाता था। पुलिस का दावा है कि महिलाओं को प्रति ग्राहक निर्धारित राशि दी जाती थी, जबकि शेष रकम संचालकों के पास रहती थी। तलाशी के दौरान पुलिस ने 12 हजार 700 रुपए नकद बरामद किए। इनमें वह राशि भी शामिल बताई गई है जो बोगस ग्राहक को सत्यापन कार्रवाई के लिए दी गई थी। इसके अलावा काउंटर से एक डायरी भी जब्त की गई है, जिसमें कई दिनों के ग्राहकों और लेन-देन का विवरण दर्ज मिला है। पुलिस डायरी और ऑनलाइन भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। मामले में राहुल मेघवाल, मनीष गोस्वामी और गोपाल माली को गिरफ्तार किया गया है। तीनों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार संचालित होने के संकेत मिले हैं। वहीं, मौके पर मिली विदेशी महिलाओं के खिलाफ फिलहाल कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस उनके वीजा, पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार महिलाओं के पुनर्वास और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं को लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दौसा के बहरूपिया कलाकार अकरम खान को मिलेगा उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान की लोक कला और बहरूपिया परंपरा को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाली बड़ी उपलब्धि सामने आई है। दौसा जिले के बांदीकुई निवासी प्रसिद्ध बहरूपिया कलाकार अकरम खान का चयन संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित 'उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार' के लिए किया गया है। उन्हें यह सम्मान लोक नृत्य श्रेणी में कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। संगीत नाटक अकादमी के सचिव राजू दास के अनुसार, अकरम खान को पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए नकद राशि, ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम प्रदान किया जाएगा। सम्मान समारोह में ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाएंगे। अकरम खान का उदयपुर की कला नगरी से भी खास जुड़ाव रहा है। वे पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्पग्राम उत्सव सहित कई मंचों पर अपनी बहरूपिया कला और अलग-अलग स्वांग प्रस्तुत कर चुके हैं। उनकी प्रस्तुतियों ने उदयपुर के कलाप्रेमियों के बीच खास पहचान बनाई है। अकरम खान अपने भाई शमशेद बहरूपिया के साथ देश-विदेश के कई मंचों पर लोक कला की छटा बिखेर चुके हैं। उनका यह सम्मान राजस्थान की पारंपरिक लोक संस्कृति और बहरूपिया कला के संरक्षण को नई पहचान देगा।

चारधाम यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का स्वागत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. जिले के पाणुन्द गांव में 40 दिवसीय चारधाम यात्रा एवं भारत भ्रमण से लौटे औदिच्य ब्राह्मण समाज के 51 सदस्यीय जत्थे का भव्य स्वागत किया गया। लक्ष्मीनारायण औदिच्य ब्राह्मण समाज ठाकुरजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मीलाल डूंगावत ने बताया कि यात्रियों ने बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री सहित कई प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन किए। श्री लक्ष्मीनारायण युवा परिषद के संस्थापक हीरालाल गोकलावत ने बताया कि सभी यात्रियों को आयुर्वेदिक दवाइयों एवं तेल की किट वितरित की गई। ट्रस्ट के महामंत्री तुलसीराम डूंगावत ने बताया कि स्वागत शोभायात्रा के दौरान महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली तथा ठाकुरजी मंदिर में दर्शन के बाद सामूहिक पतवारी पूजन किया गया। कार्यक्रम के बाद समाज के नोहरे में सामूहिक डिंगरी का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। समारोह में चारधाम यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं का सम्मान कर उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की गई।

सवा मन आम और केले से हुआ महादेव का श्रृंगार, प्रवासी माहेश्वरी समाज ने मनाया वंशोत्पत्ति दिवस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रवासी माहेश्वरी समाज, उदयपुर द्वारा मंगलवार को अमरखजी महादेव मंदिर में प्रथम वंशोत्पत्ति दिवस महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भगवान शिव का सवा मन आम और सवा मन केले से भव्य श्रृंगार कर महाअभिषेक किया गया। समाज अध्यक्ष मधुसूदन झंवर ने बताया कि महेश नवमी पर पहली बार इस प्रकार का आम महोत्सव और महाअभिषेक आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव को आम और केले का विशेष भोग अर्पित किया गया तथा धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सचिव अतुल माहेश्वरी ने बताया कि वंशोत्पत्ति दिवस महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों का समापन 28 जून को आभा फार्म हाउस में आयोजित स्नेहभोज के साथ होगा। उन्होंने बताया कि समाज के सदस्यों को एक मंच पर लाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। उपाध्यक्ष विनोद रान्दड़ ने बताया कि शिव महाअभिषेक में रवि माहेश्वरी, सचिन डाढ़, दामोदर सारड़ा, राधेश्याम काबरा, प्रशांत न्याती, नरेश लोहिया और नारायण सारड़ा सहित सौ से अधिक समाजजनों ने भाग लेकर अभिषेक किया। समाज के संरक्षक बसंत काबरा ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. अजित मालानी ने भी सवा मन आम का प्रसाद भगवान को अर्पित किया, जिसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा और समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

लखनऊ हादसे के बाद जयपुर में 14 कोचिंग-लाइब्रेरी सील फायर सेफ्टी में लापरवाही पर निगम की कार्रवाई, 24 से ज्यादा संस्थानों को नोटिस

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कोचिंग संस्थान में आग लगने से 15 लोगों की मौत के बाद जयपुर प्रशासन ने भी छात्र सुरक्षा को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। मंगलवार को जयपुर नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीमों ने शहर के कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी में फायर सेफ्टी इंतजामों की जांच के लिए अभियान चलाया। जांच के दौरान फायर फाइटिंग सिस्टम, आपातकालीन निकासी मार्ग (इमरजेंसी एग्जिट), अग्निशमन उपकरणों की स्थिति और फायर एनओसी की जांच की गई। सुरक्षा मानकों में कमी मिलने पर नगर निगम ने 14 कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरी को सील कर दिया, जबकि 24 से ज्यादा संस्थानों को फायर सेफ्टी सुधारने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, जयपुर में बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों में जाते हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

इन संस्थानों पर हुई कार्रवाई

नगर निगम ने जिन संस्थानों को सील किया उनमें:

कार्तिक कॉम्पिटिशन एकेडमी
अरावली क्लासेस
मैड गुरु
राजस्थान जेट क्लासेस
विजीपी क्लासेस/ जेजे क्लासेस
एएसपी क्लासेस
क्लास 24
करियर विल ऑफलाइन
इंटरनेशनल क्लासेस
गुरुकुल लाइब्रेरी
डीएन क्लासेस
मां सरस्वती लाइब्रेरी
डीएन लाइब्रेरी
कार्तिक लाइब्रेरी

फायर सिस्टम और एनओसी की हुई जांच

नगर निगम की टीमों ने जांच में देखा कि संस्थानों में फायर फाइटिंग सिस्टम चालू हालत में हैं या नहीं, अग्निशमन उपकरण एक्सपायर तो नहीं हैं, इमरजेंसी एग्जिट खुले और सुरक्षित हैं या नहीं। इसके साथ ही संस्थानों से फायर एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी मांगे गए। नगर निगम के चीफ फायर ऑफिसर देवेंद्र मीणा ने बताया कि हेरिटेज क्षेत्र में 4 जून से अब तक करीब 600 इकाइयों को फायर एनओसी को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 150 कोचिंग और लाइब्रेरी भी शामिल हैं। नियमों के अनुसार आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि आमेर और हवामहल जोन में अब तक 6 कोचिंग और लाइब्रेरी सील की जा चुकी हैं। इनमें कुछ संस्थान बेसमेंट में नियमों के विपरीत संचालित हो रहे थे और वहां फायर फाइटिंग सिस्टम तथा इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था नहीं थी। वहीं सिविल लाइंस जोन में कुछ संस्थानों की फायर एनओसी दो साल पहले ही समाप्त हो चुकी थी।

कई इलाकों में जारी रहा अभियान

नगर निगम और पुलिस की टीमों ने गोपालपुरा बाइपास, रिद्धि सिद्धि चौराहा, रामगढ़ मोड़ सहित शहर के कई क्षेत्रों में निरीक्षण किया। गोपालपुरा बाइपास के पास दृष्टि कोचिंग सेंटर और मदर्स एजुकेशन हब को भी नोटिस जारी किया गया। दृष्टि कोचिंग सेंटर को तीन दिन में फायर फाइटिंग सिस्टम दुरुस्त करने और छात्रों को फायर एंट्री-एग्जिट की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन का कहना है कि यह अभियान सिर्फ जांच तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में भी कोचिंग सेंटर, शैक्षणिक संस्थानों और भीड़भाड़ वाले भवनों में निरीक्षण जारी रहेगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हादसे में केबिन में फंसे चालक को बचाने पहुंचे सांसद डॉ. मन्नालाल रावत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मदद के लिए सांसद डॉ. मन्नालाल रावत एक बार फिर संवेदनशीलता और तत्परता का उदाहरण पेश किया। घाटोल-प्रतापगढ़ मार्ग पर मंगलवार को हुई भीषण दुर्घटना में केबिन में फंसे चालक को बचाने के लिए सांसद ने अपना कार्यक्रम बीच में छोड़कर राहत कार्य शुरू करवाया। सांसद डॉ. रावत मंगलवार को बांसवाड़ा-प्रतापगढ़ दौरे पर थे। इस दौरान घाटोल से प्रतापगढ़ मार्ग पर आमलीघाटी के पास दो वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा थी। सांसद ने जब दुर्घटना देखी तो अपना वाहन रुकवाकर घटना की जानकारी ली। मौके पर पता चला कि एक वाहन चालक केबिन में बुरी तरह फंसा हुआ है और उसे तत्काल मदद की आवश्यकता है। इस पर सांसद ने तुरंत अपना वाहन और सुरक्षाकर्मियों को भेजकर नजदीकी पुलिस को सूचना दी और मौके पर बुलवाया। इसके बाद सांसद ने स्वयं भी राहगीरों के साथ मिलकर बचाव कार्य शुरू करवाया। केबिन में फंसे चालक को बाहर निकालने के लिए दूसरी बस से टॉमी मंगवाई गई और केबिन काटने का प्रयास शुरू किया गया। लगातार प्रयासों के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया और घायल अवस्था में उसे घाटोल अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के बाद मार्ग पर बाधित यातायात को सुचारु करने के लिए क्रेन मंगवाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया गया।

विवाहिता का पीछा कर परेशान करने और सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बाघपुरा थाना पुलिस ने विवाहिता का पीछा कर परेशान करने, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देने और धमकाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 22 जून को प्रार्थी ने बाघपुरा थाने में रिपोर्ट दी कि उसकी शादी 16 फरवरी 2026 को उदयपुर में हुई थी। शादी के बाद से ही मतीन खान निवासी शीलावट वाड़ी, हाथीपोल उसकी पत्नी का पीछा कर परेशान कर रहा था। आरोपी उसकी पत्नी के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देता था और गलत टिप्पणियां करता था। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की नीयत से दो बार पीछा भी किया। लगातार धमकियों और परेशान किए जाने से आहत होकर 21 जून को रात करीब 9 बजे पति-पत्नी ने सेलफोस नामक पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसके बाद दोनों को उपचार के लिए महाराणा भूपाल चिकित्सालय उदयपुर में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा अंजना सुखवाल एवं वृत्ताधिकारी झाड़ोल विवेक सिंह के सुपरविजन में बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सूचना तंत्र और तकनीकी सहयोग से वांछित आरोपी मतीन अहमद पुत्र खलीद अहमद (22) निवासी बागर गली-2, थाना हाथीपोल, उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी वेलाराम, सहायक उप निरीक्षक लीलाराम, हेड कांस्टेबल गोपाल (1506), कांस्टेबल संजय (2253), राजेंद्र प्रसाद (1817), जितेंद्र (1808), थाना अंबामाता के कांस्टेबल करतार सिंह (1198) और राजेंद्र सिंह (3129) शामिल रहे।

एक दिन में 8,317 वाहनों पर कार्रवाई, ब्लैक फिल्म और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट सबसे बड़े निशाने पर, राजस्थान पुलिस का जूनभर चल रहा विशेष अभियान, सड़क सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ा शिकंजा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 23 जून। सड़क सुरक्षा को लेकर राजस्थान पुलिस का विशेष अभियान लगातार प्रभावी साबित हो रहा है। राज्यभर में 1 जून से 30 जून 2026 तक चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत 22 जून को एक ही दिन में 8,317 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान का उद्देश्य वाहनों में किए गए अवैध बदलावों और मोटरयान अधिनियम के उल्लंघनों पर प्रभावी अंकुश लगाकर आमजन के लिए सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार तथा महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात श्री अनिल पालिवाल के पर्यवेक्षण में राज्य के सभी जिलों में जिला पुलिस और यातायात पुलिस संयुक्त रूप से यह अभियान चला रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीना ने बताया कि अभियान के दौरान उन वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जिनमें अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, हूटर, एयर हॉर्न, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, वाहन पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह तथा वाहन की संरचना में अवैध परिवर्तन जैसे उल्लंघन पाए जा रहे हैं।

आंकड़ों की जुबानी: 22 जून को हुई बड़ी कार्रवाई

सोमवार 22 जून की कार्रवाई के आंकड़े बताते हैं कि सबसे अधिक 2,873 चालान ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के विरुद्ध किए गए। इसके अलावा 1,993 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 1,312 वाहनों पर अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह, 951 वाहनों में अवैध संरचनात्मक परिवर्तन, 767 वाहनों पर अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर एवं हूटर तथा 421 वाहनों पर प्रेशर हॉर्न एवं एयर हॉर्न के मामलों में कार्रवाई की गई।

एडीजी डॉ मीना ने बताया कि सड़क सुरक्षा से समझौता करने वाले ऐसे उल्लंघनों के विरुद्ध यह अभियान पूरे जून माह तक निरंतर जारी रहेगा। आमजन से भी अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में मोटरयान अधिनियम एवं केंद्रीय मोटरयान नियमों के अनुरूप ही उपकरणों एवं नंबर प्लेट का उपयोग करें, ताकि सुरक्षित, व्यवस्थित और अनुशासित यातायात व्यवस्था कायम रखी जा सके।

ट्रक-बाइक भिड़ंत में दो युवक गंभीर घायल

दरीबा-फतहनगर रोड पर धनेरिया गढ़ के पास हुआ हादसा, उदयपुर रेफर

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। रेलमगरा थाना क्षेत्र के दरीबा-फतहनगर रोड पर धनेरिया गढ़ के पास ट्रक और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए फतेहनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। हादसे में उदयपुर हाल दरीबा निवासी गोलू पुत्र रामू वाल्मीकि और दरीबा निवासी अनुराग पुत्र शंकरलाल हरिजन घायल हुए हैं। दोनों का इलाज एमबी हॉस्पिटल उदयपुर में जारी है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक व बाइक को सड़क किनारे करवाकर यातायात व्यवस्था सुचारू कराई। बाद में दोनों वाहनों को जब्त कर दरीबा चौकी पर खड़ा करवाया गया। पुलिस के अनुसार फिलहाल हादसे को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। घायलों के परिजनों ने भी अभी तक शिकायत नहीं दी है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट मिलने और जांच के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सिख कॉलोनी में घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, CCTV में कैद हुए तीन बदमाश, कुछ ही मिनटों में ले उड़े मोटरसाइकिल

24 न्यूज अपडेट

सूरजपोल थाना क्षेत्र की सिख कॉलोनी में मोटरसाइकिल चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में तीन युवक मुंह पर रूमाल बांधकर गली में घूमते नजर आ रहे हैं। बदमाश पहले इलाके की रेकी करते हैं, फिर घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल का निरीक्षण कर उसे चोरी कर फरार हो जाते हैं। पुलिस के अनुसार सिख कॉलोनी निवासी मोहित कुमार व्यास ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उन्होंने 22 जून की रात करीब 12:30 बजे अपनी मोटरसाइकिल आरजे 27 बीपी 6563 घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह उठकर देखा तो मोटरसाइकिल गायब थी। आसपास तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज में तीन संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं। फुटेज के अनुसार तीनों पहले गली में घूमते हुए नजर आते हैं। इसके बाद वे मोटरसाइकिल के पास पहुंचकर उसका जायजा लेते हैं और कुछ देर बाद उसे स्टार्ट कर ले जाते हैं। चोरी के बाद तीनों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर बैठकर मौके से फरार हो गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर सूरजपोल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी हुई है। इस मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक राजेशपालसिंह कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आसपास के अन्य कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की आवाजाही और संभावित ठिकानों का पता लगाया जा सके।

फायर एनओसी नहीं होने पर सील भवनों को राहत, तीन दिन में होंगे डी-सील

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राज्य सरकार ने फायर सेफ्टी मानकों की कमी के कारण सील किए गए व्यावसायिक भवनों को बड़ी राहत दी है। स्वायत्त शासन विभाग ने आदेश जारी कर नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं को ऐसे भवनों को निर्धारित शर्तों के साथ डी-सील करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार फायर एनओसी या आवश्यक अग्निशमन उपकरण नहीं होने के कारण सील किए गए भवनों को तीन दिन के भीतर डी-सील किया जा सकेगा। हाल के महीनों में प्रदेश के कई शहरों में फायर सेफ्टी नियमों की अनदेखी पाए जाने पर होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, बार और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई थी। कई भवनों को फायर एनओसी और पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था नहीं होने के कारण सील कर दिया गया था। नए आदेश के तहत भवन मालिकों को डी-सील किए जाने के बाद 30 दिन का समय दिया जाएगा। इस अवधि में उन्हें अपने भवन में आवश्यक फायर फाइटिंग सिस्टम और सुरक्षा उपकरण स्थापित करने होंगे। इसके बाद नगरीय निकाय की फायर सेफ्टी शाखा से निरीक्षण करवाकर फायर एनओसी प्राप्त करनी होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि डी-सील की अवधि केवल फायर सेफ्टी मानकों की पूर्ति के लिए दी जा रही है। इस दौरान संबंधित भवनों में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि संचालित नहीं की जा सकेगी। यदि निरीक्षण के दौरान किसी भवन में रेस्टोरेंट, होटल, क्लब, बार या अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होती पाई गईं तो उसे तत्काल दोबारा सील कर दिया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि भवन मालिक 30 दिन की अवधि में फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगवाते हैं या निर्धारित मानकों की पालना नहीं करते हैं तो नगरीय निकाय संबंधित भवन को पुनः सील करने की कार्रवाई करेगा। गौरतलब है कि हाल में विभिन्न राज्यों में आगजनी की घटनाओं के बाद फायर सेफ्टी मानकों को लेकर सख्ती बढ़ाई गई थी। इसी क्रम में राजस्थान के कई शहरों में भी बड़े होटल, रेस्टोरेंट, क्लब और बारों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील किया गया था। अब सरकार ने सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के साथ-साथ भवन मालिकों को सुधार का अवसर देने के उद्देश्य से यह राहत प्रदान की है।

ड्राइवर को झपकी आते ही हाईवे पर पलटा आलू से लदा ट्रक, सड़क पर बिखरीं सैकड़ों बोरियां

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा में अजमेर-भीलवाड़ा बाईपास हाईवे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब आलू की बोरियों से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसा टंकी के बालाजी के पास हुआ, जहां मंडी पहुंचने से पहले ही ट्रक दुर्घटना का शिकार बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक तेज रफ्तार में आगे बढ़ रहा था, तभी चालक का संतुलन बिगड़ा और भारी वाहन सड़क पर पलट गया। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि ड्राइवर को नींद की झपकी आने से यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि ट्रक चालक और खलासी दोनों सुरक्षित बच गए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। ट्रक के पलटते ही उसमें भरी आलू की सैकड़ों बोरियां हाईवे पर बिखर गईं। सड़क पर फैले माल के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। बाद में क्रेन की मदद से पलटे हुए ट्रक को सीधा किया गया और सड़क पर बिखरी बोरियों को हटवाया गया। काफी मशक्कत के बाद यातायात को फिर से सामान्य किया जा सका।

नोटिस देकर सो गया यूडीए, पहाड़ काटकर खड़ा कर दिया निर्माण, अब नींद खुली तो कर दिया सील, साफ दिख रही है मिलीभगत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। निर्माण हो रहा था अवैध रूप से। अफसर जागे, नोटिस दिया। उसके बाद मिलीभगत हो गई, सेटिंग हो गई। इतना बड़ा निर्माण हो गया। अब अचानक अफसरों को किसी उपरी शक्ति के आदेश पर आत्मज्ञान हुआ कि अवैध निर्माण तो पहाड़ काट कर पहाड़ जैसा हो गया है, तो अमला भेज कर सील करवा दिया। इस निर्माण को देख कर कोई बच्चा भी कह सकता है कि यहां मिलीभगत का खेल खुलकर चला है। वरना एक नोटिस के बाद किसी की ईंट रखने तक की हिम्मत ना हो। यहां तो लाखों का निर्माण दिखाई दे रहा है। बड़ा सवाल है कि हर बार इस तरह की कार्रवाई में ना तो अतिक्रमण करने वाले का नाम सार्वजनिक किया जाता है ना जिम्मेदार अफसरों का। याने दोनों की मिलीभगत दिखाई देती है। एकलिंगजी (कैलाशपुरी) तालाब के पास पहाड़ी भूमि को काटकर किए जा रहे व्यावसायिक निर्माण पर यूडीए ने कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया, लेकिन कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतना बड़ा निर्माण आखिर कई दिनों तक चलता कैसे रहा? यूडीए की ओर से बताया गया कि राजस्व ग्राम मूणवास की आराजी संख्या 1944/ 427 स्थित पहाड़ी भूमि पर बिना सक्षम अनुमति के निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण ने पहले ही निर्माण रुकवाकर संबंधित पक्ष को पाबंद किया था, इसके बावजूद काम जारी रहा। बाद में यूडीए अधिनियम-2023 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया और जवाब में भी कोई वैध स्वीकृति पेश नहीं की गई। इसके बाद निर्माण को सील कर दिया गया। लेकिन सवाल सिर्फ कार्रवाई का नहीं, बल्कि निगरानी व्यवस्था का है। पहाड़ी को काटकर इतना बड़ा व्यावसायिक निर्माण खड़ा हो गया और जिम्मेदार विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। मौके की स्थिति देखकर लगता है कि यह काम एक-दो दिन में नहीं हुआ होगा। कई दिनों तक मजदूर, मशीनें और निर्माण सामग्री मौके पर पहुंचती रही होगी। ऐसे में यूडीए के निगरानी तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एक बार नोटिस जारी कर देने भर से विभाग अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अवैध निर्माणों पर नजर रखना और दोबारा काम शुरू होने पर तुरंत कार्रवाई करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी का हिस्सा है। अगर पाबंदी के बाद भी निर्माण चलता रहा तो यह व्यवस्था की कमजोरी को दिखाता है। उदयपुर में अरावली के पहाड़ और तालाब शहर की पहचान और पर्यावरण की धरोहर हैं। ऐसे क्षेत्रों में अवैध निर्माण लंबे समय तक चलते रहना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। कार्रवाई के बाद अब यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि निर्माण शुरू होने से लेकर सील होने तक जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी कहां थी। अगर नहीं थी तो वे अफसर और कर्मचारी कौन हैं जिन्होंने मोट माल बना कर इतना बड़ा निर्माण होने दिया। यूडीए कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने आमजन से अपील की है कि बिना अनुमति निर्माण नहीं करें। वहीं कार्रवाई तहसीलदार डॉ. अभिनव शर्मा के निर्देशन में भू-अभिलेख निरीक्षक राजेंद्र सेन, बाबूलाल तेली, पटवारी दीपक जोशी और होमगार्ड जाब्ते की मौजूदगी में की गई।

स्काउट गाइड के 30 दिवसीय कला कौशल शिविर का समापन, विद्यार्थियों ने मेहंदी, सिलाई, कंप्यूटर सहित विभिन्न हुनर का किया प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 जून। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मंडल एवं जिला उदयपुर के तत्वावधान में आरएमवी गेलडा उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपोल उदयपुर में आयोजित 30 दिवसीय कला कौशल शिविर का समापन समारोह उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि स्वर्णकार ए.एस.ओ.सी. मंडल के मनमोहन स्वर्णकार रहे। विशिष्ट अतिथि जिला कोषाध्यक्ष महक सनाढ्य और अंजना शर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत जिला प्रशिक्षण आयुक्त को स्कार्फ पहनाकर तथा शिविर में आर्ट एंड क्राफ्ट के माध्यम से तैयार किए गए आकर्षक गुलदस्ते भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। सीओ गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि शिविर में प्रतिभागियों को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी में मेहंदी, कंप्यूटर, सिलाई, चित्रकला, आर्ट एंड क्राफ्ट और ब्यूटीशियन से जुड़े हुनर का प्रदर्शन किया गया, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। सीओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने नृत्य, फैशन शो, स्केटिंग, भोपाल का छोटा ख्याल संगीत और गणित का जादू जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संभागियों को प्रमाण पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि मनमोहन स्वर्णकार ने कहा कि ऐसे कौशल विकास शिविर विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसरों और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक हैं। कार्यक्रम का संचालन उमेश माली ने किया। संपूर्ण व्यवस्था देवीलाल रावत और कुशल सिकलीगर द्वारा की गई। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण जोशी, केशु लाल सालवी, अपर्णा अग्रवाल, उर्मिला वैष्णव, सुमन, हितेश प्रजापत, महिमा जैन, रेंजर निशा कुंवर, रिद्धि गहलोत, सिद्धि गहलोत, परमेश्वरी यदुवंशी, विश्वेश्वरी यदुवंशी, सेजल गहलोत, स्काउट योगेश सोनी और हेतविक रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

अकीदत के साथ निकाला मुहर्रम का पारंपरिक छड़ियों का जुलूस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समाज द्वारा पारंपरिक छड़ियों का जुलूस अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। चमनपुरा स्थित जामा मस्जिद से शुरू हुआ यह जुलूस चेतक सर्कल, देहली गेट, धानमंडी, सूरजपोल, हेलावाड़ी इस्लामपुरा, बड़ा बाजार, जगदीश चौक और हाथीपोल सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरा। जुलूस में शामिल 10 से 14 पारंपरिक छड़ियाँ और अलम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिनका मार्ग में जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। इस दौरान समाजजनों ने इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद करते हुए सत्य, न्याय और इंसानियत के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के बीच यह जुलूस शांतिपूर्वक चेतक सर्कल पहुँचकर संपन्न होगा।

राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 में प्रस्तावित संशोधनों पर सुझाव आपत्तियां आमंत्रित प्रक्रियाओं का होगा सरलीकरण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 जून। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 में संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। ये संशोधन भारत सरकार की डी-रेगुलेशन एवं कम्प्लायंस बर्डन रिडक्शन पहल तथा जन विश्वास अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के अनुरूप व्यवसाय एवं वाणिज्यिक कार्यों में सुगमता को बढ़ावा देने, अनुपालन भार को कम करने तथा नियामकीय प्रक्रियाओं को और अधिक सरल बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे है। विधिक माप विज्ञान अधिकारी राकेश माहेश्वरी ने बातया कि प्रस्तावित संशोधनों में विभिन्न श्रेणी के निर्माताओं, मरम्मतकर्ताओं एवं विक्रेताओं के लिए लाइसेंस व्यवस्था के स्थान पर स्व-घोषणा आधारित पंजीकरण प्रमाण पत्र की व्यवस्था, लाइसेंस नवीनीकरण की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए सरकारी अनुमोदित परीक्षण केन्द्रों को सत्यापन एवं मुद्रांकन की प्रक्रिया में सम्मिलित करना, सत्यापन शुल्क का युक्तिसंगत पुनर्निर्धारण तथा विभिन्न श्रेणी के उल्लंघनकर्ताओं के लिए अनुपातिक शमन शुल्क निर्धारित करना आदि प्रमुख प्रावधान सम्मिलित है। उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में सभी संबंधित हितधारकों, व्यापारिक संगठनों, उद्योग संघों, उपभोक्ता संगठनों एवं आमजन से सुझाव एवं आपत्तियों आमंत्रित की गई है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थाएँ इन प्रारूप नियमों के राजस्थान राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी सुझाव आपत्तियों ईमेल आईडी डीसीएलएम डॉट एचक्यूवन एड राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन तथा एसईसीवाई डेश फूड डेश आरजे एड एनआईसी डॉट इन पर प्रेषित कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त सुझावों आपत्तियों पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

उदयपुर में होगा "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम, राहुल गांधी के कोटा संबोधन का होगा प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 जून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बुधवार, 24 जून को उदयपुर में "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन उदयपुर शहर एवं उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ और उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा संयुक्त रूप से करेंगे। शहर जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री दिनेश कुमार दवे ने बताया कि कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हाल ही में कोटा में विद्यार्थियों के बीच दिए गए संबोधन के विचारों और संदेशों का प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी के दृष्टिकोण से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया जाएगा। "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम सुबह 11 बजे मेवाड़ बीएससी नर्सिंग महाविद्यालय, तीतरड़ी, उदयपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों, अग्रिम संगठनों, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल और एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे।

मादड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 24 जून को 7 घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बंद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बिजली निगम की ओर से आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते बुधवार, 24 जून 2026 को मादड़ी और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम के अनुसार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। रखरखाव कार्य के दौरान मादड़ी, आकाशवाणी फीडर क्षेत्र सहित सिल्वर स्टोन, पटेल सीमेंट, अर्नेस्ट गेस्ट, सलोनी कांटा, गोल्डन ड्रग्स, हस्तिनापुर, प्राश मिनरल, कोरोमंडल, वार्टेल, अरावली, 20 माइक्रोन, अंकुर, पोरवाल इंजीनियरिंग, पोदार ऑयल, प्रभाष मिनरल सहित कई औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी। इसके अलावा गुड अर्थ, टेकिन गेजेस इंडिया, सुंदरम मिनरल, उत्कर्ष मिनरल, कृष्णा मिनरल इंडस्ट्री, सीमा मिनरल, वेस्टर्न मिनरल, स्टार कांटा, सूरज मिनरल, टेम्पसेन्स-4 एवं 6, पायोराइट, प्रिंट मीडिया, परफेक्ट मार्बल, एसपी मिनरल, ओस्तवाल मिनरल, आलोक इंडस्ट्री, टायर टेक्नो और रश्मि मिनरल सहित अन्य औद्योगिक इकाइयां भी प्रभावित रहेंगी। बिजली निगम ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

राजस्थान स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में द लीजेंड शूटिंग रेंज के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, ओपन इंडिया प्री-नेशनल के लिए हुए चयनित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जयपुर में आयोजित 24वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में द लीजेंड शूटिंग रेंज, उदयपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता में अकादमी के कुल 22 निशानेबाजों ने भाग लिया और राज्य स्तर पर अपने अनुशासन, एकाग्रता एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

महिला वर्ग में रागवी पोरवाल, रुतवी पाटवा, तेजस्विता चावरा, ज्योति सिंह सोनेगरा, ध्रुवीराज कृष्णावत, रुहामा शेरोन, मिशिका सालवी, दीक्षिता सिंह सारंगदेवोत, किंजल पुरोहित, रिधिका कानावत एवं सांची जोशी ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं पुरुष वर्ग में तनीष्क शुक्ला, प्रियंश पटेल, अंकित सिंह सोनेगरा, अरिहंत जैन, विश्वजीत सिंह रावल, रुहान चौधरी, हृदय सिंह चौहान, शुभम शुक्ला, कुणाल सिंह राजपूत, मोहब्बत सिंह राठौड़ एवं कृष्णपाल सिंह सिसोदिया ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अकादमी का नाम गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबलों में उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किया। खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास का परिणाम रहा कि उन्होंने राज्य स्तरीय मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई।

अकादमी के निदेशक गजेन्द्र सिंह राणावत ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे राष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार होते हैं।

अकादमी के कोच चेतन सालवी ने बताया कि खिलाड़ियों ने पूरे सत्र में अनुशासित प्रशिक्षण लिया और प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाली प्रतियोगिताओं में भी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अकादमी एवं उदयपुर का नाम रोशन करेंगे।

विशेष उपलब्धि यह रही कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी अब आगामी ओपन इंडिया शूटिंग टूर्नामेंट (प्री-नेशनल राउंड) में भाग लेंगे, जहां उन्हें देशभर के प्रतिभाशाली निशानेबाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा।

अकादमी परिवार, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

टीएडी कॉलेज छात्रावासों में प्रवेश हेतु 29 जून तक कर सकते हैं आवेदन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास (टीएडी) विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभागीय कॉलेज छात्रावासों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की संशोधित तिथियां जारी की है। संशोधित आदेश के अनुसार अब रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी 29 जून सोमवार तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि संबंधित जिला कार्यालय 3 जुलाई 2026 तक वरीयता सूची जारी कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट टीएडी डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।